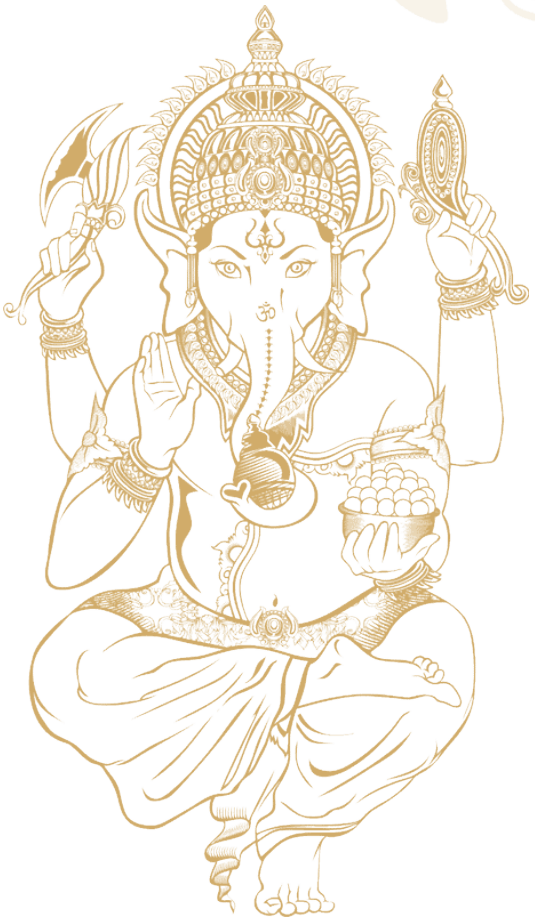

Abhishek

Ritika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121269203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/09/2001	जन्म तिथि	03/12/2001
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 11:05:00	जन्म समय	21:20:00 घंटे
घटी 11:43:02	जन्म समय(घटी)	35:52:59 घटी
India	देश	India
Dadra	स्थान	Dadra
20:22:00 उत्तर	अक्षांश	20:22:00 उत्तर
73:00:00 पूर्व	रेखांश	73:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:00	स्थानिक संस्कार	-00:38:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:47	सूर्योदय	06:58:48
18:47:12	सूर्यास्त	17:56:54
23:52:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:44

विंशोत्तरी
शुक्र 8वर्ष 1मा 1दि

मंगल	
10/10/2025	
09/10/2032	
मंगल	08/03/2026
राहु	26/03/2027
गुरु	01/03/2028
शनि	10/04/2029
बुध	07/04/2030
केतु	03/09/2030
शुक्र	04/11/2031
सूर्य	10/03/2032
चन्द्र	09/10/2032

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	तुला	25:52:46
सूर्य	सिंह	21:45:49
चंद्र	मेष	21:16:31
मंगल	धनु	05:51:53
बुध	कन्या	16:13:05
गुरु व	मिथु	17:13:17
शुक्र	कर्क	20:32:47
शनि व	वृष	20:46:24
राहु	मिथु	09:18:29
केतु	धनु	09:18:29
हर्ष	मक	28:04:36
नेप	मक	12:31:43
प्लूटो	वृश्चि	18:43:49

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कर्क	04:57:35
सूर्य	वृश्चि	17:40:09
चंद्र	मिथु	23:02:12
मंगल	कुंभ	02:18:13
बुध	वृश्चि	16:58:45
गुरु व	मिथु	20:15:00
शुक्र	वृश्चि	07:37:17
शनि व	वृष	17:35:43
राहु	मिथु	03:16:40
केतु	धनु	03:16:40
हर्ष	मक	27:30:36
नेप	मक	12:42:39
प्लूटो	वृश्चि	21:05:20

विंशोत्तरी
गुरु 12वर्ष 4मा 8दि

शनि	
12/04/2014	
12/04/2033	
शनि	15/04/2017
बुध	24/12/2019
केतु	01/02/2021
शुक्र	03/04/2024
सूर्य	16/03/2025
चन्द्र	15/10/2026
मंगल	24/11/2027
राहु	30/09/2030
गुरु	12/04/2033

लग्न-चलित

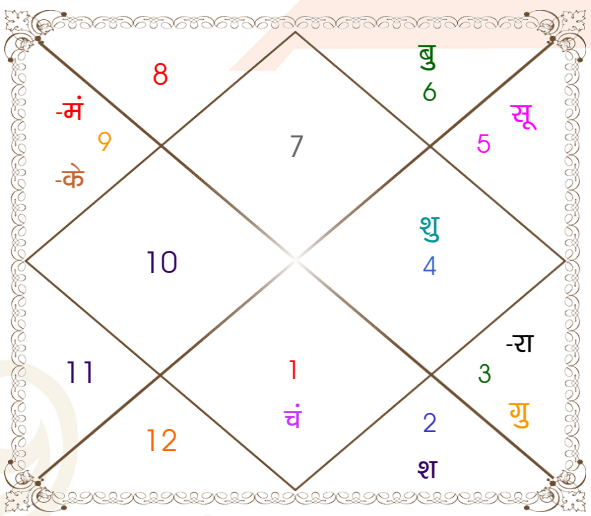

लग्न-चलित

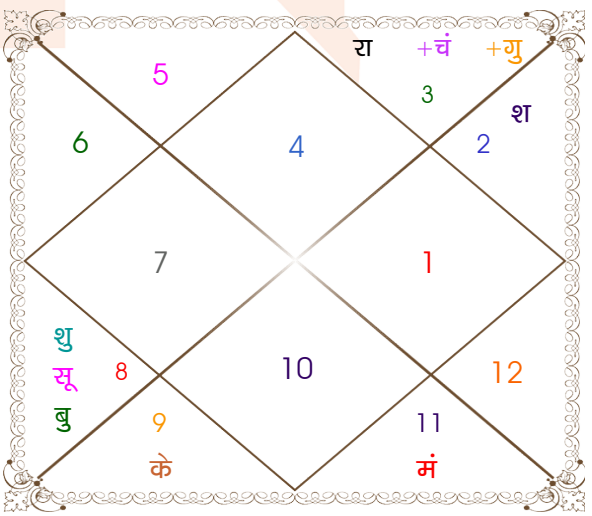

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Abhishek का वर्ग मृग है तथा Ritika का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Abhishek और Ritika का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Abhishek मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ritika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ritika कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Abhishek कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Abhishek कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Abhishek तथा Ritika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।